चौथी योजना के दौरान, देश मे इन वन-रोपण योजनाओं के अन्तर्गत लगभग 833.90 हजार हैक्टार क्षेत्र लाने का प्रस्ताव है ।

1966-67 से 1968-69 के तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य मे इन योजनाओ के अन्तर्गत, 68.35 हजार हैक्टार क्षेत्र मे पौद लगाये गये । चौथी योजना के दौरान, राज्य मे इस योजना के अन्तर्गत लगभग 148 हजार हैक्टार का क्षेत्र राज्य द्वारा लाया जायेगा ।

जहां तक भू-क्षरण का सम्बन्ध है, वनोन्मूलन और तत्पश्चात के समय, जब क्षेत्र अन्य कार्यों के लिये प्रयोग किये जाते है, सम्बन्धित राज्य वन विभाग साधारणत उचित कदम उठाते है ।

(ग) वन पौद बनाने के लिये, वन अस्थायी और मौसमी रोजगार के समाधनो की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध करते है । पौदरोपण योजनाओ म लगे कार्मिको की सख्या के सम्बन्ध मे राज्य वन विभागो ने कोई विशिष्ट अध्ययन अभी तक नही किये है । फिर भी, राज्य वन विभागो के मार्गदर्शन के लिये मन्त्रालय ने श्रम समाधनो के बारे मे अनुमान लगाये है । इन अनुमानो से पता चलता है कि पौदरोपण कार्यकलापो मे श्रम संसाधन काफी अधिक है । इसके अनुसार इस कार्य के लिये 146 6 लाख व्यक्तियो के श्रम का एक दिन प्रयोग किया, जो 1966-67 से 1968-69 की अवधि मे राज्यो और संघ क्षेत्रो द्वारा 442.60 हजार हैक्टार मे पौदरोपण करने के लिये 48,900 कार्मिको को पूर्णकालिक राजगार प्रदान करने के बराबर है ।

बेरोजगारी भत्ता

512 **श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट** . क्या श्रम तथा पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने बेरोजगार व्यक्तियों को बेरोजगारी भत्ता देने का कोई निर्णय किया है; और

(ख) यदि हा, तो यह भत्ता किस तारीख से दिया जायेगा तथा इस प्रयोजनार्थ क्या मापदण्ड अपनाये जायेगे ?

श्रम और पुनर्वास मत्री (श्री आर० के० खाडिलकर) (क) जी नही ।

(ख) सवाल पैदा नही होता ।

चीड़ उद्योग के उत्पादो का अध्ययन करने हेतु सम्मेलन

513 **श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट** . क्या कृषि मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या चीड़ उद्योग को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से अप्रैल, 1971 मे चीड़ उद्योग के उत्पादो का अध्ययन करने हेतु नई दिल्ली मे एक सम्मेलन आयोजित किया गया था ।

(ख) यदि हा, इस सम्मेलन मे भाग लेने वाले व्यक्तियो के क्या नाम है ;

(ग) क्या चीड उद्योग मे काम करने वाले व्यक्तियो को भी उक्त सम्मेलन मे आमन्त्रित किया गया था , और

(घ) उन्होने इस सम्बन्ध मे सरकार को क्या सुझाव दिये है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शेर सिंह): (क) बिरोजा तथा तारपीन के उत्पादको तथा परिसंस्करणकर्ताओ द्वारा, विज्ञान भवन, नई दिल्ली मे 13 तथा 14 अप्रैल, 1971 को एक विचार गोष्ठी प्रत्यायोजित की गई थी । भारतीय रसायन निर्माता सघ, भारतीय पेपर मिल संघ, भारतीय पेन्ट संघ आदि जैसे विभिन्न अखिल भारतीय संगठन इसके सह-प्रायोजक थे । विचार गोष्ठी का विषय 'भारत के आर्थिक तथा औद्योगिक विकास मे पाइन रेजिन की भूमिका' था ।

(ख) प्रायोजकों ने विचार गोष्ठी से सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों की सूची प्रस्तुत की